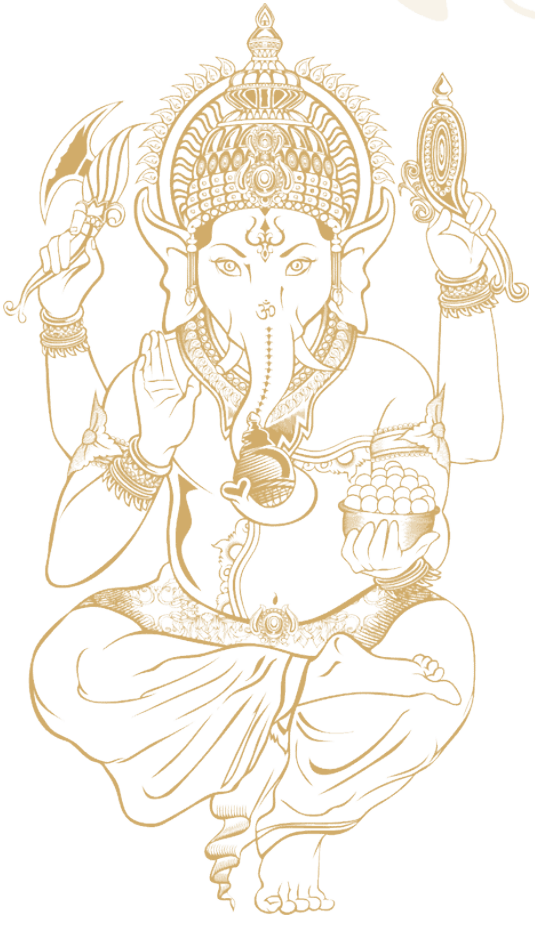

Bharat Mittal

13 Apr 2001

08:47 PM

Ambala

Model: web-freekundliweb

Order No: 121426803

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/04/2001**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**20:47:00 घंटे**
इष्ट	37:01:38 घटी
स्थान	**Ambala**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	76:49:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:24:16 घंटे
वेलान्तर	-00:00:33 घंटे
साम्पातिक काल	09:51:47 घंटे
सूर्योदय	05:58:20 घंटे
सूर्यास्त	18:48:45 घंटे
दिनमान	12:50:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	29:52:52 मीन
लग्न के अंश	25:47:46 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	परिघ
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	25:47:46	303:59:27	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	---
सूर्य			मीन	29:52:52	00:58:47	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	मित्र राशि
चंद्र			धनु	07:38:07	12:16:49	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल			धनु	00:54:47	00:16:56	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध		अ	मीन	19:33:57	01:55:23	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	नीच राशि
गुरु			वृष	16:04:47	00:11:38	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र	व		मीन	08:27:24	00:16:00	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शनि			वृष	05:16:59	00:06:49	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	15:32:52	00:00:41	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	15:32:52	00:00:41	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	उच्च राशि
हर्ष			कुंभ	00:07:20	00:02:08	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	---
नेप			मक	14:42:10	00:00:53	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:13:04	00:00:50	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			सिंह	01:48:40	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:12

लग्न-चलित

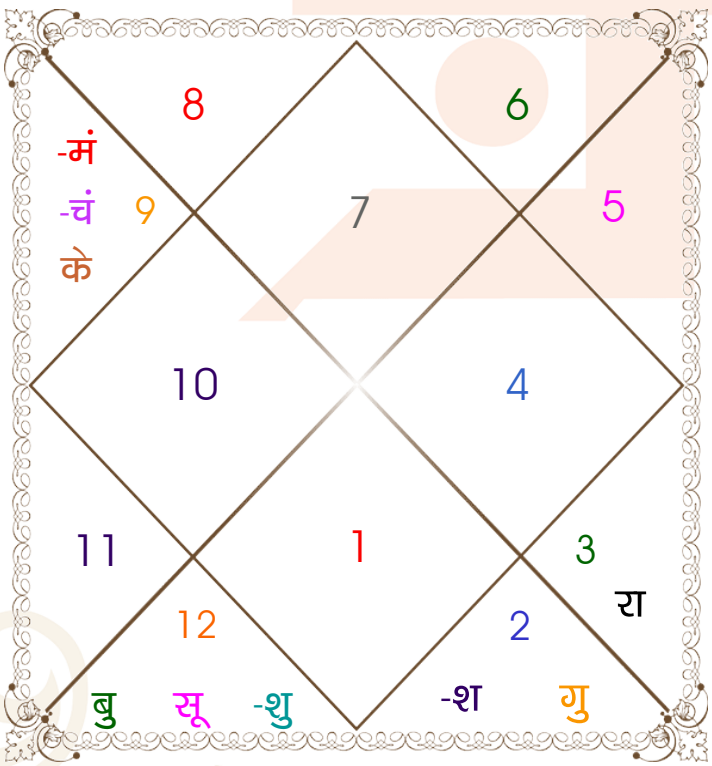

चन्द्र कुंडली

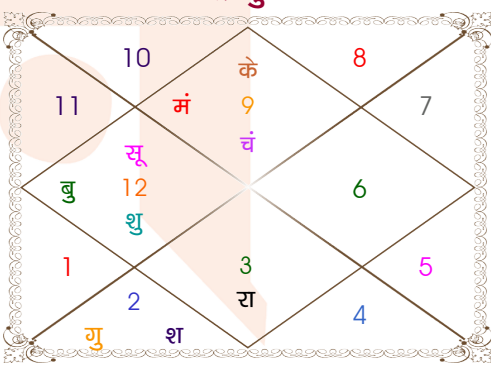

नवमांश कुंडली

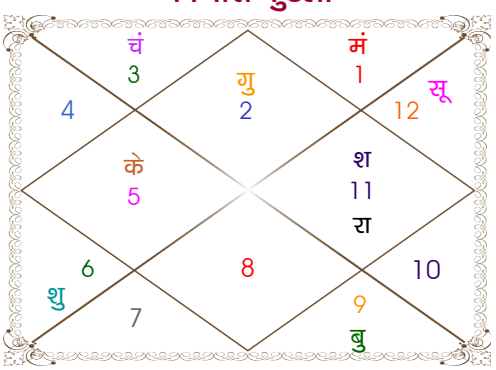

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 11 मास 27 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
13/04/2001		10/04/2004		10/04/2024		10/04/2030		10/04/2040	
10/04/2004		10/04/2024		10/04/2030		10/04/2040		11/04/2047	
	00/00/0000	शुक्र	10/08/2007	सूर्य	29/07/2024	चंद्र	09/02/2031	मंगल	06/09/2040
	00/00/0000	सूर्य	10/08/2008	चंद्र	27/01/2025	मंगल	10/09/2031	राहु	25/09/2041
	00/00/0000	चंद्र	10/04/2010	मंगल	04/06/2025	राहु	11/03/2033	गुरु	01/09/2042
	00/00/0000	मंगल	11/06/2011	राहु	29/04/2026	गुरु	11/07/2034	शनि	10/10/2043
	00/00/0000	राहु	10/06/2014	गुरु	15/02/2027	शनि	09/02/2036	बुध	07/10/2044
	13/04/2001	गुरु	08/02/2017	शनि	28/01/2028	बुध	11/07/2037	केतु	05/03/2045
गुरु	05/03/2002	शनि	10/04/2020	बुध	03/12/2028	केतु	09/02/2038	शुक्र	05/05/2046
शनि	14/04/2003	बुध	09/02/2023	केतु	10/04/2029	शुक्र	10/10/2039	सूर्य	10/09/2046
बुध	10/04/2004	केतु	10/04/2024	शुक्र	10/04/2030	सूर्य	10/04/2040	चंद्र	11/04/2047

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/04/2047		10/04/2065		10/04/2081		11/04/2100		11/04/2117	
10/04/2065		10/04/2081		11/04/2100		11/04/2117		00/00/0000	
राहु	22/12/2049	गुरु	29/05/2067	शनि	13/04/2084	बुध	08/09/2102	केतु	07/09/2117
गुरु	17/05/2052	शनि	10/12/2069	बुध	22/12/2086	केतु	05/09/2103	शुक्र	08/11/2118
शनि	23/03/2055	बुध	17/03/2072	केतु	31/01/2088	शुक्र	06/07/2106	सूर्य	15/03/2119
बुध	10/10/2057	केतु	21/02/2073	शुक्र	02/04/2091	सूर्य	12/05/2107	चंद्र	14/10/2119
केतु	28/10/2058	शुक्र	23/10/2075	सूर्य	14/03/2092	चंद्र	11/10/2108	मंगल	12/03/2120
शुक्र	28/10/2061	सूर्य	10/08/2076	चंद्र	13/10/2093	मंगल	08/10/2109	राहु	30/03/2121
सूर्य	22/09/2062	चंद्र	10/12/2077	मंगल	22/11/2094	राहु	26/04/2112	गुरु	14/04/2121
चंद्र	23/03/2064	मंगल	16/11/2078	राहु	28/09/2097	गुरु	02/08/2114		00/00/0000
मंगल	10/04/2065	राहु	10/04/2081	गुरु	11/04/2100	शनि	11/04/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 0 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त व्यक्ति हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहते। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगे। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करते हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करते हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखते हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहते हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि के हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगे। इस प्रकार आप अपने क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपने लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगे।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपनी पत्नी के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपनी जीवन संगिनी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकते हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकते हैं।

आप विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपकी वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकते हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के संबंध

अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।